कक्षा IX

विषय : हिंदी

- स्पर्श भाग–1
- संचयन भाग–1
- Full Marks – व्याकरण–परिचय(भाग–1)

मस	पाठ का नाम	व्याकरण/ रचनात्मक–लेखन	शिक्षण–अधिगम	नवीन शिक्षण–युक्तियाँ/कला एकीकरण/अंतर्विषयी दृष्टिकोण	गतिविधि/परियोजना
अप्रैल	धूल (गद्य) रैदास के पद (पद्य), गिल्लू (पूरक–पाठ)	शब्द और पद अपठित बोध अनुस्वार एवं अनुनासिक अनौपचारिक–पत्र स्लोगन–लेखन अनुच्छेद–लेखन	गद्य–विधा के अंतर्गत निबंध–विधा, कहानी–विधा एवं रेखाचित्र–विधा से संक्षिप्त परिचय, धूल की महिमा और महात्म्य,उपलब्धता और उपयोगिता का भान, पशु–पक्षियों के प्रति सहृदयता की भावना का पल्लवन। मध्ययुगीन काव्यधारा की संत काव्यधारा से संक्षिप्त परिचय, प्रभु का हर हाल में भक्त से श्रेष्ठ और सर्वगुण संपन्न होना तथा भगवान की अपार उदारता, कृपा और उनके समदर्शी स्वभाव का वर्णन। शिल्पगत सूक्ष्मताओं से परिचय। व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान। भाषा की संरचनात्मक विशिष्टताओं से परिचय। प्रभावोत्पादक अभिव्यक्ति हेतु सक्षमता का प्रतिपादन।	आदर्श अनुतानमय वाचन एवं स्पष्टीकरण,व्यावहारिक अनुभवों का आदान–प्रदान,जीवन–सापेक्ष अनुभव, काठिन्य –निवारण,मनन–चिंतन,पारस्परिक चर्चा–परिचर्चा, काव्य का रसास्वादन, आगमन–विधि	कक्षागत विचार–प्रस्तुति एवं भावाभिव्यक्ति
मई	दुख का अधिकार (गद्य) रहीम के दोहे (पद्य)	उपसर्ग–प्रत्यय वाक्य–भेद शब्द–विचार संदेश–लेखन संवाद–वर्णन	गद्य–विधा के अंतर्गत कहानी–विधा से संक्षिप्त परिचय, देश में फैले अंधविश्वासों और ऊँच–नीच के भेद–भाव को बेनकाब करते हुए धनी लोगों की अमानवीयता और गरीबों की मजबूरी को भी पूरी गहराई से उजागर करना। पद्य–विधा के अंतर्गत मध्ययुगीन काव्यधारा की संत	आदर्श अनुतानमय वाचन एवं स्पष्टीकरण,व्यावहारिक अनुभवों का आदान–प्रदान,जीवन–सापेक्ष अनुभव, काठिन्य –निवारण,मनन–चिंतन,पारस्परिक चर्चा–परिचर्चा, काव्य का रसास्वादन, आगमन–विधि	'समाज में दुख का अधिकार'– चर्चा–परिचर्चा।

			काव्यधारा से संक्षिप्त परिचय, मानव मात्र को करणीय और अकरणीय आचरण की नसीहत। शिल्पगत सूक्ष्मताओं से परिचय। भाषा की संरचनात्मक विशिष्टताओं से परिचय। व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान। प्रभावोत्पादक अभिव्यक्ति हेतु सक्षमता का प्रतिपादन।		
जुलाई	एवरेस्टः मेरी शिखर यात्रा (गद्य) स्मृति (पूरक–पाठ)	अपठित बोध स्लोगन–लेखन अनौपचारिक–पत्र	गद्य–विधा के अंतर्गत यात्रा–वृत्तांत विधा तथा संस्मरण–विधा से संक्षिप्त परिचय, बचेंद्री पाल के शिखर तक पहुँचकर तिरंगा लहराने के पल–पल के ब्योरे से रूबरू होना। पशु–पक्षियों के प्रति सहृदयता की भावना का पल्लवन, बाल–सुलभ शरारतों से परिचय। व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान। प्रभावोत्पादक अभिव्यक्ति हेतु सक्षमता का प्रतिपादन।	आदर्श अनुतानमय वाचन एवं स्पष्टीकरण,व्यावहारिक अनुभवों का आदान–प्रदान,जीवन–सापेक्ष अनुभव, काठिन्य –निवारण,मनन–चिंतन,पारस्परिक चर्चा–परिचर्चा, काव्य का रसास्वादन, आगमन–विधि **/ 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश एवं मेघालय के जाने–माने खेलों —** • **ट्रेकिंग** • **तलवारबाजी** • **पैरा–ग्लाइडिंग** • **शूटिंग** **– का समावेश करते हुए सामूहिक फाइल–प्रस्तुति। (खेल–विधा के साथ एकीकरण)**	
अगस्त	तुम कब जाओगे– अतिथि (गद्य),	वाक्य–भेद शब्द और पद अपठित बोध अनुच्छेद–लेखन	गद्य–विधा के अंतर्गत व्यंग्य–विधा से संक्षिप्त परिचय, मानव–जीवन में हल्के–फुल्के क्षणों का महत्व। व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान। प्रभावोत्पादक अभिव्यक्ति हेतु सक्षमता का प्रतिपादन।	आदर्श अनुतानमय वाचन एवं स्पष्टीकरण,व्यावहारिक अनुभवों का आदान–प्रदान,जीवन–सापेक्ष अनुभव, काठिन्य –निवारण,मनन–चिंतन,पारस्परिक चर्चा–परिचर्चा, काव्य का	'अतिथि देवो भवः' उक्ति की समीक्षा।

				रसास्वादन, आगमन–विधि। **'गद्य–पाठ' के आधार पर अतिथि के आदर–सत्कार में जुटे एवं व्यावहारिक समस्याओं से जूझते एक परिवार की दशा पर आधारित लघु हास्य–नाटिका।** **(सामूहिक प्रस्तुति)** **(कला–एकीकरण)**	
सितंबर	पुनरावृत्ति एवं अर्धवार्षिक परीक्षा				
अक्तूबर	हामिद खाँ (पूरक–पाठ)	अपठित बोध, अनौपचारिक पत्र अनुच्छेद–लेखन संदेश–वर्णन	गद्य–विधा के अंतर्गत संस्मरण–विधा से संक्षिप्त परिचय, जातिगत भेदभाव तथा विभिन्न सीमाएँ भूलकर एकता की प्रेरणा।भाषा की संरचनात्मक विशिष्टताओं से परिचय। व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान। प्रभावोत्पादक अभिव्यक्ति हेतु सक्षमता का प्रतिपादन।	आदर्श अनुतानमय वाचन एवं स्पष्टीकरण,व्यावहारिक अनुभवों का आदान–प्रदान,जीवन–सापेक्ष अनुभव, काठिन्य –निवारण,मनन–चिंतन,पारस्परिक चर्चा–परिचर्चा	
नवंबर	एक फूल की चाह (पद्य)	अपठित बोध, अनौपचारिक पत्र, संवाद–लेखन	पद्य–विधा के अंतर्गत आधुनिक काव्यधारा की कथात्मक कविता से संक्षिप्त परिचय, समाज में फैले अंधविश्वासों और ऊँच–नीच तथा जातिवाद को बेनकाब करना। शिल्पगत सूक्ष्मताओं से परिचय। व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान। प्रभावोत्पादक अभिव्यक्ति हेतु सक्षमता का प्रतिपादन।	आदर्श अनुतानमय वाचन एवं स्पष्टीकरण,व्यावहारिक अनुभवों का आदान–प्रदान,जीवन–सापेक्ष अनुभव, काठिन्य –निवारण,मनन–चिंतन,पारस्परिक चर्चा–परिचर्चा, आगमन–विधि काव्य का रसास्वादन/ **'पद्य–पाठ' हेतु महामारी से जूझते समाज की दशा एवं उससे संघर्ष करने की प्रेरणा देने वाले स्लोगन/संदेश/ पोस्टर की आकर्षक चित्रात्मक प्रस्तुति।** **(कला–एकीकरण)**	
दिसंबर	धर्म की	अपठित बोध	गद्य–विधा के अंतर्गत निबंध–विधा से	आदर्श अनुतानमय वाचन एवं	'धर्म एकता का माध्यम

	आड़ (गद्य) खुशबू रचते हैं हाथ (पद्य)	शब्द–विचार उपसर्ग–प्रत्यय अनौपचारिक पत्र अनुच्छेद–लेखन स्लोगन–लेखन	संक्षिप्त परिचय, मानव–जीवन में धर्म के औचित्य का प्रतिपादन। पद्य–विधा के अंतर्गत आधुनिक काव्यधारा से संक्षिप्त परिचय, शहरों के बीचों–बीच बसे टोलों के जीवन की वास्तविकता एवं विडंबना से परिचय। व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान। भाषा की संरचनात्मक विशिष्टताओं से परिचय। प्रभावोत्पादक अभिव्यक्ति हेतु सक्षमता का प्रतिपादन।	स्पष्टीकरण,व्यावहारिक अनुभवों का आदान–प्रदान,जीवन–सापेक्ष अनुभव, काठिन्य – निवारण,मनन–चिंतन,पारस्परिक चर्चा–परिचर्चा, काव्य का रसास्वादन, आगमन–विधि।	है'— चर्चा–परिचर्चा।
जनवरी	दिये जल उठे (पूरक–पाठ)	अपठित बोध अनौपचारिक पत्र संवाद–लेखन	गद्य–विधा के अंतर्गत आलेख–विधा एवं संस्मरण–विधा से संक्षिप्त परिचय, गांधी जी तथा उनके सहायक महादेव देसाई के जीवन से प्रेरणा। व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान। गांधी जी के अटल इरादों से प्रेरणा। व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान। प्रभावोत्पादक अभिव्यक्ति हेतु सक्षमता का प्रतिपादन।	आदर्श अनुतानमय वाचन एवं स्पष्टीकरण,व्यावहारिक अनुभवों का आदान–प्रदान,जीवन–सापेक्ष अनुभव, काठिन्य – निवारण,मनन–चिंतन,पारस्परिक चर्चा–परिचर्चा, काव्य का रसास्वादन, आगमन–विधि।	'जलियाँवाला बाग' – एक विचार।
फरवरी	पुनरावृत्ति एवं वार्षिक परीक्षा				